जनसत्ता, P-9, 7-6-16

फसल बीमा दावों के निपटान की शुरू होगी योजना

7/6/16 जनसत्ता P-9

नई दिल्ली, 6 मई (भाषा)। प्रतिकूल मौसम और प्राकृतिक आपदाओं के कारण फसलों को होने वाले नुकसान से किसानों को राहत प्रदान करने की पहल के तहत सरकार किसानों के फसल बीमा के दावों का तेजी से निपटारा करने के लिए इस वर्ष अगस्त के अंत तक पूरे देश में किसान कार्यक्रम शुरू करेगी। अभी यह पायलट परियोजना के रूप में चल रहा है।

जैव प्रौद्योगिकी विभाग के सचिव के विजय राघवन ने बताया, 'अभी किसान कार्यक्रम पायलट परियोजना के आधार पर चल रहा है। यह कार्यक्रम अभी औपचारिक रूप से शुरू नहीं हुआ है। अगस्त के अंत या सितंबर के शुरू में किसान कार्यक्रम को औपचारिक रूप से शुरू किए जाने की उम्मीद है।' ऐसी चिंताएं व्यक्त की जाती रही हैं कि भारत में फसल बीमा कवरेज कई कारणों से अपर्याप्त है और किसानों को इसके कारण सरकारी योजनाओं का ठीक से लाभ नहीं मिल पाता है।

सरकार ने इस पहल के तहत भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) की ओर से विकसित एंड्रायड आधारित एप 'भुवन' तैयार किया है। इसके जरिए ओलावृष्टि के कारण फसलों को हुए नुकसान का आकलन किया जा सकेगा। जीपीएस प्रौद्योगिकी का उपयोग कर मौसम संबंधी जानकारी जुटाई जा सकेगी। किसान कार्यक्रम का संयुक्त रूप से संचालन महालोबनिस राष्ट्रीय फसल पूर्वानुमान केंद्र, इसरो, भारतीय मौसम विभाग और राज्य कृषि विभाग करेंगे।

> ● अभी किसान कार्यक्रम पायलट परियोजना के आधार पर चल रहा है। यह कार्यक्रम अभी औपचारिक रूप से शुरू नही हुआ है। अगस्त के अंत या सितंबर के शुरू में किसान कार्यक्रम को औपचारिक रूप से शुरू किए जाने की उम्मीद है।

अधिकारी ने कहा कि इस पहल के लिए कई स्थानों पर प्रयोगशालाओं का विकास किया जा रहा है। इसमें किसानों और एनजीओ की साझेदारी को आगे बढ़ाया जा रहा है। यह पूछे जाने पर कि क्या इस कार्यक्रम में दूसरे देशों का भी सहयोग लिया जाएगा, राघवन ने कहा कि अगर हम चाहते हैं कि ऐसे कार्यक्रम सफल हों, तब इसके लिए राष्ट्रीय स्तर पर इन्हें आगे बढ़ाने पर जोर देना होगा। कुछ अन्य आयाम हैं, जहां हम दूसरे देशों के साथ सहयोग कर सकते हैं।

फसल बीमा दावों का आकलन फसल कटाई के आधार पर बने मॉडल के मुताबिक किया जाता है। लेकिन समय पर बीमा राशि या मुआवजा मिलना और सटीक आंकड़ा हमेशा से मुद्दा रहा है। इसके कारण किसानों को भुगतान में देरी होती है। किसान कार्यक्रम को इन कमियों को ध्यान में रखते हुए आगे बढ़ाया जा रहा है।

किसान कार्यक्रम को पायलट परियोजना के आधार पर हरियाणा, कर्नाटक, महाराष्ट्र और मध्य प्रदेश के 12 जिलों में चलाया जा रहा है। यह पायलट परियोजना हरियाणा के कुरुक्षेत्र, हिसार, करनाल के साथ कर्नाटक के शिमोगा, रायचूर, गुलबर्गा और महाराष्ट्र के यवतमाल, अहमदनगर, सोलापुर और मध्य प्रदेश के सिवनी, विदिशा और होशंगाबाद में चल रही है।

(हस्ताक्षर)
कृते प्रभारी, समाचार पत्र यूनिट